कुमकुम लाल

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
ओडिसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 3 मार्च 1948 को जन्मी, श्रीमती कुमकुम लाल ने हरि उप्पल, कृष्ण चंद्र नायक, हरेकृष्ण बेहरा और केलुचरण महापात्र जैसे गुरुओं से ओडिसी नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने नरेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में समसामयिक नृत्यों में भी काम किया है। आपने मयूरभंज छऊ का प्रशिक्षण भी लिया है।

आप 1970–75 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में व्याख्याता और 2000–2002 तक संगीत नाटक अकादेमी में उप सचिव (नृत्य) रही हैं। महेश्वर महापात्र की अभिनय चंद्रिका का अनुवाद करने के लिए आपको संस्कृति मंत्रालय से वरिष्ठ फेलोशिप मिली थी। आपने हबीब तनवीर, सई परांजपे, अमोल पालेकर, एम. के. रैना और दीना नाथ द्वारा निर्देशित नाटकों में अभिनय किया है। आपने नृत्य विषय पर लेखन के साथ ही नृत्य प्रस्तुतियों की समीक्षाएँ भी की हैं। आपने वर्ष 1983–87 के दौरान जापान में ओडिसी नृत्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। ओडिसी नृत्य के क्षेत्र में आपके योगदान को रेखांकित करते हुए साहापेडिया और आर्काइव पोर्टल Pad-ma द्वारा आपको प्रलेखित भी किया गया है। आप भूमिका क्रिएटिव डांस सेंटर, दिल्ली शिल्प परिषद और जन माध्यम जैसी संस्थाओं से जुड़ी रही हैं।

ओडिसी नृत्य में योगदान के लिए श्रीमती कुमकुम लाल को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

KUMKUM LAL

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Odissi

Born on 3 March 1948 in Prayagraj in Uttar Pradesh, Shrimati Kumkum Lal has trained in Odissi under Hari Uppal, Krishna Chandra Nayak, Harekrishna Behera and Kelucharan Mohapatra. She also worked in the contemporary genre under Narendra Sharma. She has also learnt Mayurbhanj Chhau.

She worked as a Lecturer in Delhi University between 1970-75 and as a Deputy Secretary (Dance) of Sangeet Natak Akademi between 2000-2002. She received the Senior Fellowship from the Ministry of Culture for translating Maheshwar Mohapatra's *Abhinay Chandrika*. She has also essayed roles in theatre plays directed by Habib Tanvir, Sai Paranjpe, Amol Palekar, M.K. Raina and Dina Nath. She has written on dance, and extensively reviewed performances. She also played an instrumental role in introducing Odissi in Japan between the years 1983-87. Her life and work in the field of Odissi has been documented in an Odissi series by Sahapaedia and the archive portal Pad.ma. She has been associated with the Bhoomika Creative Dance Centre, the Delhi Crafts Council, and Jan Madhyam.

Shrimati Kumkum Lal receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for her contribution to Odissi dance.